भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *396

उत्तर देने की तारीख 27.03.2025

सर्वोदय आश्रम खादी ग्राम उद्योग

***396. श्री राजेश रंजनः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि बिहार के पूर्णिया जिले के रानीपतरा में सर्वोदय आश्रम खादी ग्राम उद्योग में एक बड़ा व्यापार केंद्र था जहां से ग्राम उद्योगों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं का व्यापार कई राज्यों में होता था और लाखों परिवार अपनी आजीविका कमाते थे;

(ख) क्या देश की आजादी के समय से चल रहा सर्वोदय आश्रम खादी ग्राम उद्योग अब बंद हो चुका है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का स्थानीय क्षेत्र में रोजगार सृजन के उद्देश्य से बिहार के पूर्णिया जिले के रानीपतरा में सर्वोदय आश्रम खादी ग्राम उद्योग के पुनरुद्धार के लिए एक सौ करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री जीतन राम मांझी)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 27.03.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *396 के भाग (क) से (ग) के संदर्भ में उल्लिखित विवरण

(क) जी, हां। बिहार के पूर्णिया जिले के रानीपतरा में सर्वोदय आश्रम खादी ग्रामोद्योग खादी क्रियाकलापों को कार्यान्वित करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग (केवीआईसी) के साथ पंजीकृत खादी संस्थान था। वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए उक्त आश्रम की स्वीकृत कार्य योजना के अनुसार, उसे 57 कारीगरों को रोजगार प्रदान करना था।

(ख) बिहार के पूर्णिया जिले के रानीपतरा में स्थित सर्वोदय आश्रम खादी ग्रामोद्योग, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत था, जिसकी पंजीकरण संख्या 20/1955-56, दिनांक 15.09.1955 थी। वर्ष 2009 के दौरान, सर्वोदय आश्रम में खादी खादी उद्योग (केआई) पर नियंत्रण हेतु बड़ा आंतरिक संघर्ष/विवाद उत्पन्न हुआ, जिसके कारण इसकी कार्यक्षमता/क्रियाकलाप बुरी तरह प्रभावित हुई, जिसके परिणामस्वरूप संस्थान में खादी क्रियाकलाप बंद हो गया। साथ ही, वार्षिक रिटर्न प्रस्तुत न करने के कारण, केवीआईसी के साथ इसके पंजीकरण प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त हो गई।

(ग) सर्वोदय आश्रम खादी ग्रामोद्योग, एक पुरानी खादी संस्था होने के नाते, संस्था में खादी क्रियाकलापों के पुनरुद्धार की योजना बनाने तथा प्रभावी प्रबंधन की स्थापना के लिए राज्य सरकार से संपर्क किया जा रहा है।

*****